हज़ारों लोगों की उपस्थिति में 16 बहनों ने

दिल्ली-हरिनगर। ब्रह्माकुमारीज़ एवं मानव कल्याण आध्यात्मिक संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में हरिनगर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में सोलह बहनों के ईश्वरीय सेवार्थ भव्य जीवन समर्पण समारोह का आयोजन हुआ।

इस अवसर पर अहिंसा विश्व भारती के संस्थापक अध्यक्ष,प्रसिद्ध चिन्तक, कवि, लेखक एवं समाज सुधारक आचार्य लोकेश मुनि ने समर्पित होने वाली ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा होने वाली सेवाओं की सफलता हेतु जैन धर्म की ओर से शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सच्ची आध्यात्मिक सेवा द्वारा अनेकता में एकात्म भाव स्थापित होता है जो कि ब्रह्माकुमारी बहनें समग्र मानवता को वसुधैव कुटुम्बकम व विश्व बंधुत्व की भावना से जोड़ने का काम कर रही हैं। मूल्यनिष्ठ शिक्षा एवं राजयोग ध्यान द्वारा मानव में सुखदायी संस्कार व बेहतर जीवन निर्माण कर एक सुखमय संसार बनाने का कार्य जो ब्रह्माकुमारी बहनें निःशुल्क पिछले आठ दशकों से भारत तथा विदेश में कर रही हैं, वह वास्तव में सबके लिए अनुकरणीय है। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. संतोष दीदी ने कहा कि इस संस्थान ने लाखों बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का बीड़ा उठाया है। यह संस्था सही अर्थ में विश्व की बेटियों को शिक्षित और सशक्त करने की सेवा कर रही है। प्रख्यात पत्रकार डॉ. वेद प्रताप वैदिक ने समर्पित होने वाली कन्याओं को आशीर्वाद देते हुए कहा कि ये बहनें किसी भय, प्रलोभन या बहकावे में आकर नहीं, बल्कि स्वयं की इच्छा और माता-पिता की स्वीकृति से अपना जीवन समर्पित कर रही हैं। आज के समय में ऐसी नौजवान बालिकाओं ने सात्विक व सदाचारी जीवन का व्रत लिया है जो वास्तव में सब के लिए प्रेरणा का स्रोत है। हरिनगर एवं सम्बंधित सेवाकेन्द्रों की मुख्य संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. शुक्ला दीदी ने कहा कि सादा जीवन और उच्च विचार के साथ-साथ शाकाहारी खानपान ही हमारे जीवन को स्वस्थ, सुखी, शक्तिशाली व सुरक्षित रखता है। भारतीय नौ सेना के उप प्रमुख वाइस एडमिरल एन.एन. घोरमडे ने कहा कि आध्यात्मिक सशक्तिकरण द्वारा समाज की सेवा के लिए ब्रह्माकुमारी बहनों का त्याग सराहनीय है। उन्होंने कहा कि यह संस्था नारी सशक्तिकरण की अद्भुत मिसाल है। इस अवसर पर संस्थान के कार्यकारी सचिव ब्र.कु. मृत्युंजय, ओआरसी गुरुग्राम की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी, अहमदाबाद से आयीं राजयोगिनी ब्र.कु. शारदा दीदी, न्यायिक प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. पुष्पा दीदी आदि ने अपनी शुभकामनाएं दीं।

सोलह बहनों ने स्वेच्छा से, हज़ारों लोगों से भरी सभा में, अपने माता-पिता के साथ जन-कल्याण हेतु अपना जीवन ईश्वरीय सेवा में समर्पित करने के नियम व मर्यादाओं की प्रतिज्ञा ली...

'ब्रह्माकुमारीज़' पूरे विश्व में आध्यात्मिक शक्ति का प्रबल केन्द्र - डॉ. वीरेंद्र कुमार

ओ.आर.सी.-गुरुग्राम। ब्रह्माकुमारीज़ पूरे विश्व में आध्यात्मिक शक्ति के प्रबल केन्द्र के रूप में अपनी पहचान बना चुकी है। दुनिया के देशों ने चाहे कितनी भी प्रगति क्यों न कर ली हो, लेकिन आध्यात्मिक चेतना की दृष्टि से भारत सबसे महान है। उक्त विचार भारत सरकार के केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने ओम शांति रिट्रीट सेंटर के 21वें वार्षिकोत्सव के अंतर्गत 'स्वर्णिम समाज के उदय के लिए आध्यात्मिकता' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किये। मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए उन्होंने कहा कि इस परिसर में आने मात्र से ही जिस अद्भुत ऊर्जा का आभास होता है, उसे शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। ब्रह्माकुमारीज़ मन की सच्ची शांति प्राप्त करने की सहज विधि बताती है। ये बहनें बड़ी ही तन्मयता के साथ भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का प्रचार और प्रसार कर रही हैं।

एमिटी विश्वविद्यालय,हरियाणा के प्रो वाइस चांसलर डॉ. विकास मधुकर ने कहा कि बिना संस्कार के शिक्षा अधूरी है। इसलिए आज सरकार भी शिक्षा में नैतिक मूल्यों को प्राथमिकता देने जा रही है। ब्रह्माकुमारीज़ के अतिरिक्त महासचिव ब्र.कु. बृजमोहन भाई ने कहा कि ओम शांति रिट्रीट सेंटर ने 21 वर्षों में समाज के हर वर्ग की सेवा की। भारत को विश्व का सिरमौर बनाना ब्रह्माकुमारीज़ का मुख्य उद्देश्य है। आध्यात्मिक सशक्तिकरण से ही मानव के अंदर चारित्रिक और नैतिक मूल्यों का विकास हो सकता है। नेपाल के ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्रों की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. राज दीदी ने अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत के प्राचीन राजयोग की आज सबको आवश्यकता है। नेपाल में राजसत्ता से जुड़ी महान हस्तियां भी योग सीखने के लिए सेवाकेन्द्र में आती हैं। ओआरसी की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी ने कहा कि असली समाज सेवा एक-दूसरे के मनोबल को बढ़ाना है। खुशहाल समाज के लिए नैतिक और आध्यात्मिक मूल्य ज़रूरी हैं। शक्ति नगर सेवाकेन्द्र प्रभारी राजयोगिनी ब्र.कु. चक्रधारी दीदी, करोल बाग सेवाकेन्द्र प्रभारी राजयोगिनी ब्र.कु. पुष्पा दीदी, खानपुर सेवाकेन्द्र प्रभारी ब्र.कु. आशा बहन, अखिल भारतीय महिला सम्मेलन की अध्यक्ष शीला काकड़े आदि ने भी अपनी शुभकामनाएं दी। ब्र.कु. रजनी बहन ने सभी को योग की गहन अनुभूति कराई। मंच संचालन ब्र.कु. हुसैन और ब्र.कु. ईशु ने किया।

तनाव मुक्ति, शांति अनुभूति राजयोग शिविर का छतरपुर में सफल आयोजन

छतरपुर-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा श्रीमद्भगवद् गीता का व्यवहारिक स्वरूप कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित 'तनाव मुक्ति, शांति अनुभूति राजयोग शिविर' का आयोजन छतरपुर के चाचा जी की रसोई सभागार में किया गया।

इस अवसर पर वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी ब्र.कु. उषा दीदी,माउण्ट आबू ने प्रथम सत्र के विषय 'स्व की शक्ति की पहचान से तनाव मुक्त जीवन' पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आध्यात्मिक प्रतिरोधक शक्ति जब कम होती है तो हर एक छोटी-बड़ी बात मन को प्रभावित करती है। तनाव का मतलब जब किसी के ऊपर दबाव बढ़ता है और उसके मन की कैपेसिटी उतनी नहीं होती, तब तनाव होता है। डर तनाव का ही एक स्वरूप है। आज व्यक्ति के ऊपर कई दबाव है- भूतकाल का दबाव, भविष्य का दबाव साथ ही वर्तमान का दबाव। इन सब दबाव के बीच में व्यक्ति है। दीदी ने कहा कि जिस युग में हम जी रहे हैं वह अनिश्चितता का युग है। इन सभी दबाव से निकलने के लिए स्पीरिचुअल इम्यूनिटी को बढ़ाने की आवश्यकता है। आज के व्यक्ति के पास आध्यात्मिकता के लिए टाइम नहीं है। आध्यात्मिक चिंतन मन के लिए पौष्टिक आहार है। मेडिटेशन और आध्यात्मिकता के माध्यम से हम अपने मन की धार तेज करें, मन को सशक्त और पावरफुल बनायें। उन्होंने कहा कि जीवन को खेल की रीति से खेलें। खेल की तरह ही जीवन में चारो ओर से समस्याओं से घिरे होने पर भी जो इसमें सही निर्णय लेता है, वह सफल है। चुनौती के अंदर अच्छे डिसीज़न लेने होते हैं, तब सभी एप्रीशिएट करते हैं। चुनौतियों को सकारात्मकता से पार करने वाले को 'हीरो' कहते हैं। कार्यक्रम में महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के कुलसचिव जे.पी.मिश्र, जिले के अग्रणी कॉलेज कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य एल.एल कोरी, सीआईएसएफ डायरेक्टर उर्वशी जी, पूर्व नपा अध्यक्ष अर्चना सिंह सहित नगर के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम संचालन व शब्दों से सभी का स्वागत छतरपुर सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. शैलजा बहन ने किया।

चुनौतियों को सकारात्मकता से पार करने वाले ही हीरो : ब्र.कु. उषा बहन

'नशा' ले जाता शारीरिक व आर्थिक पतन की ओर

ग्वालियर-लश्कर(म.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ के चिकित्सा सेवा प्रभाग द्वारा राष्ट्रीय अभियान 'मेरा भारत व्यसन मुक्त भारत' के अंतर्गत इंडियन मेडिकल एसोसिएशन एवं कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के संयुक्त तत्वाधान में 'मेरा ग्वालियर व्यसन मुक्त ग्वालियर' अभियान का शुभारम्भ शीतला सहाय सभागार में हुआ। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए डॉ. राहुल सप्रा,अध्यक्ष,आईएमए ने कहा कि राजयोग मेडिटेशन से दुनिया में शांति स्थापित करने का बहुत श्रेष्ठ कार्य यह बहनें कर रही हैं। समाज में आज ऐसे कार्यों की ज़रूरत है। उन्होंने कहा कि इंडियन मेडिकल एसोसिएशन इस अभियान से जुड़कर हर कार्यक्रम में पूरी तरह से सहयोगी बनेगा।

कैंसर हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. बी.आर. श्रीवास्तव ने बताया कि आज 30 वर्ष के व्यक्ति को भी मुख का कैंसर हो जाता है। उसका कारण है कि आज छोटी उम्र के बच्चे सुपारी का सेवन करते हैं बाद में वही उनकी आदत बन जाती है। मुझे विश्वास है कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्था जो प्रयास कर रही है उसका परिणाम बहुत अच्छा होगा।

माउण्ट आबू से ब्रह्माकुमारीज़ मेडिकल विंग के सेक्रेटरी ब्र.कु. डॉ. बनारसी भाई ने कहा कि वर्ष 1985 में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा मेडिकल विंग की नींव रखी गई थी। तब से लेकर मेडिकल विंग समाज की सेवा में समर्पित है। इन वर्षों में मेडिकल क्षेत्र में आध्यात्मिकता और स्वास्थ्य को लेकर कई प्रयोग हुए हैं जो सफल रहे हैं एवं इनसे लोगों की गंभीर बीमारियां ठीक हुई हैं, 12 लाख से अधिक लोग नशा मुक्त हो चुके हैं जो संस्थान के लिए गौरव की बात है।मेंटल हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. संजय लहारिया ने इस अभियान को एक आंदोलन के रूप में बताया। उन्होंने कहा कि हमें हमारे अंदर विद्यमान सभी विकृतियों से मुक्ति पानी है तो इसमें अध्यात्म हमें बहुत मदद करेगा क्योंकि अध्यात्म का ज्ञान हमें खुद से जोड़ता है। डॉ. गोमती अग्रवाल ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्थान समाज में व्यसनमुक्ति जनजागृति का अभियान चला रहा है जो समय की ज़रूरत है। स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. आदर्श दीदी ने सभी को अभियान से सम्बंधित जानकारियों से अवगत कराया। डॉ. अजीत सिंह,डायरेक्टर,बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल रिसर्च ग्वालियर ने कहा कि हम शुरूआत अपने घर से करें, कि हम अपने परिवार के सदस्यों को किसी भी हालत में नशा नहीं करने देंगे। कमल मखीजनी,पूर्व जिलाध्यक्ष भा.ज.पा. सहित सभी वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए।ब्र.कु. मनीषा बहन,माउण्ट आबू ने सभी को राजयोग का अभ्यास कराया। संचालन ब्र.कु. डॉ.गुरचरण तथा आभार डॉ. ब्रजेश सिंघल ने किया। कार्यक्रम में ब्र.कु. रंजू बहन, ब्र.कु. प्रहलाद भाई सहित अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें मौजूद रहे।

डॉ. प्रताप मिड्ढा,डायरेक्टर,ग्लोबल हॉस्पिटल माउंट आबू ने व्यसन से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में बताया कि नशा और कुछ नहीं, हमारी नकारात्मक सोच का ही परिणाम है। किसी भी तरह का नशा करने के बाद कुछ समय के लिए हमारे माइंड में जो संदेशवाहक कोशिकाएं हैं वह शांत हो जाती हैं, अपना संदेश देना माइंड को बंद कर देती हैं और हमें लगता है कि नशे से हमें आनंद आ रहा है। जबकि हकीकत ये है कि इससे हमारी माइंड की पावर ही कम होती है।

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/21-23, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2021-23, Posting on 12th TO 14th and 22nd TO 24th each month, published on 12th,Dec 2022
स्वामी - राजयोगा एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन, प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक- गंगाधर नरसिंघानी द्वारा डी.बी. कॉर्प.लि. भास्कर प्रिन्टिंग प्रेस,शिवदासपुरा, टोंक रोड,जयपुर से मुद्रित एवं ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शांतिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओम शान्ति मीडिया
ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन,- 307510
See Latest News
www.omshantimedia.org